दाऊद 1

परमेश्वर ने इस्राएल के लोगों का राजा होना चाहा।
यहोवा उनसे चाहता था कि वे मार्गदर्शन और सुरक्षा के लिए उसकी ओर देखें।
परमेश्वर ने उन्हें मसि्र से नकिालकर प्रतज्ञिा के देश में पहुँचाने के लिए महान और अवशि्वसनीय आश्चर्यकर्म कए।
प्रतज्ञिा के देश मे बसने के बाद परमेश्वर ने उन्हें शत्रुओं के हाथों से छुड़ाने के लिए न्यायियों को खड़ा कयिा।

न्यायियों 2:16-17

न्यायियों 2:18; I शमूएल 7:3; I शमूएल 8:1-3

तू तो बूढ़ा हो गया और तेरे पुत्र तेरी राहों पर नहीं चलते।
हमारी अगुवाई करने के लिए हमें एक राजा चाहिए--
--जैसे दूसरे देशों के पास है।
हाँ, हमारे लिए एक राजा नियुक्त कर। हमारी अगुवाई के लिए तू ज्यादा समय तक यहाँ नहीं रहेगा।
लोगों की प्रतक्रियिा ने शमूएल को अप्रसन्न कयिा, और उसने उनके नविदन के लयि परमेश्वर से प्रार्थना की।
" वे लोग जो कुछ तुझसे कहें उसे मान ले। उन्होंने तेरा त्याग नहीं कयिा है, परन्तु उन्होंने मुझे अपने राजा के रूप में आस्वीकार कयिा है"।
" जैसे कि वे उस दनि से करते आए हैं जब से मैं उन्हें मिस्र से बाहर ले आया था आज के दनि तक , मुझे त्यागना और अन्य देवताओं की सेवा करना, वैसे ही वे तेरे साथ कर रहे हैं।”
" अब तू उनकी सुन ले लेकनि गंभीरता से उन्हें समझा दे और उनको बता दे जो राजा उन पर राज्य करेगा उसका व्यवहार कैसा होगा।"

I शमूएल 8:1-10

तुम नहीं जानते तुम क्या माँगते हो।
यदि तुम चुनते हो कि परमेश्वर तुम पर राज्य न करे बल्कि एक राजा करे--
--वह यही करेगा--
वह तुम्हारे पुत्रों को ले लेगा और उन्हें उसके रथों और घोड़ों के काम पर रखेगा।
और वह कितनों को हजारों के ऊपर सेनापति ठहरायेगा और कितनों को पचास पचास के ऊपर सेनापति ठहरायेगा।...
और कुछ लोग उसके खेत की जुताई करेंगे और उसकी फसल काटेंगे।
वह तुम्हारी बेटियों को लेकर उनसे सुंगध द्रव्य और रसोई और रोटियाँ बनवाएगा।
वह तुम्हारे बीज और दाख की बारियों से दसवाँ अंश लेकर अपने हाकिमों और कर्मचारियों को दे देगा।

I शमूएल 8:11-16

जब वह दनि आएगा तो तुम उस राजा से आराम पाने के लिए रोओगे। जसि तुमने चुना है…
…और उस दनि परमेश्वर तुम्हें उत्तर नहीं देगा।
नही!
हम एक राजा चाहते हैं।
तब हम एक राजा के साथ अन्य सभी देशों के समान बन जायेंगे जो हमारी अगुवाई करे और जो हमारे आगे चले और हमारा युद्ध लड़े
जो लोगों ने कहा उसे दोहराते हुए शमूएल ने प्रभु से दुबारा प्रार्थना की।
"उनकी सुन और उन्हें एक राजा दे दे।"

I शमूएल 8:18-22

वहाँ एक प्रतष्ठिति मनुष्य था जसिका शाऊल नामक एक बेटा था।
शाऊल एक प्रभावशाली मनुष्य था। अपने चारों ओर के लोगों से वह लगभग एक फूट ऊँचा था।
एक दनि, शाऊल के पति के गदहे भटक गए।
शाऊल और उसके पति के सेवकों में से एक ने गदहे को ढूँढने की कोशशि में पहाड़ी देश और आसपास के नगरों की यात्रा की।
देख, इस नगर में परमेश्वर का एक जन है; जो अत्यंत प्रतष्ठिति है और जो कुछ वह कहता है वह हो जाता है सच।
हम उस मनुष्य को क्या दें? हमारा भोजन समाप्त हो गया है। उस व्यक्ति को देने के लिए हमारे पास कोई भेंट भी नहीं है।
हमारे पास क्या है?
देखो, मेरे पास चाँदी के एक शेकेल का एक चौथाई भाग है।
यहाँ भविष्यवक्ता है क्या?
वह है, वह ठीक तुम्हारे आगे है।
अब जल्दी कर; वह आज हमारे नगर में आया है, क्योंकि लोगों ने ऊँचे स्थान पर एक बलदिान चढ़ाया है।
ऊँचे स्थान में जाने से पहले तुम उसे पा लोगे। जब तक वह न आ जाये लोग खाना शुरू नहीं करेंगे क्योंकि उसे बलदिान को आशीषति करना है।

I शमूएल 9:1-13

परन्तु इस दनि से पहले ही प्रभु ने शमूएल को तैयार कर दयिा था।
"कल इसी समय बन्यिामीन गोत्र से मैं एक मनुष्य को तेरे पास भेजूँगा"
"उसे मेरी प्रजा इस्राएल के ऊपर अगुवा के रूप में अभषिक कर; वह मेरी प्रजा इस्राएल को पलश्तियों के हाथों से छुड़ाएगा।"
मैने अपनी प्रजा को देखा है, उनकी पुकार मुझ तक पहुँची है।
यह वह मनुष्य है जसिके वषिय में मैंने कहा। वह मेरी प्रजा पर राज्य करेगा।
क्या आप कृपया करके बता सकते हैं क भिवष्यिवक्ता का घर कहाँ है ?
मैं एक भवष्यिवक्ता हूँ।

I शमूएल 9:14-19

शमूएल ने परमेश्वर के निर्देशों को माना और शाऊल को इस्राएल के प्रथम राजा के रूप में अभिषेक किया।
शाऊल का अभिषेक करने के बाद शमूएल ने इस्राएल के लोगों को एक आकस्मिक अंतिम विदाई के भाषण के लिए एकत्रित किया।
तुमने जो कुछ भी मुझसे कहा मैंने सुना और तुम पर एक राजा को नियुक्त किया।
यह राजा - अब तुम्हारा नेता है।
यदि तुम प्रभु का भय मानो और उसकी सेवा करो और उसकी सुनो और उसकी आज्ञाओं का विरोध न करो, और यदि दोनों तुम और तुम पर राज्य करने वाला राजा तुम्हारे परमेश्वर के पीछे चलो तो यह अच्छा है!
परन्तु यदि तुम प्रभु की आज्ञाओं को न मानो और यदि उसकी आज्ञाओं का विरोध करो, उसका हाथ तुम्हारे विरुद्ध खड़ा होगा जैसा यह तुम्हारे पूर्व पतिाओं के विरुद्ध था।
अपने भाषण की समाप्ति पर शमूएल ने परमेश्वर को पुकारा, और उसी दिन प्रभु ने गर्जन और वर्षा भेजी।
अतः सभी लोग परमेश्वर पर और शमूएल पर आश्चर्य करने लगे।

I शमूएल 12:1-18

I शमूएल 10:8 13: 5-9

I शमूएल 13:10-14

I शमूएल 13:16 - 14:6

पलिश्तियों की चौकी चट्टानों के टीलों पर थी जिसके निकास द्वार से ऊँचाई से देखा जा सकता था।
उत्तम स्थिति के साथ इस चौकी को हटाने के लिए एक सेना चाहिए होती।
हम उनके पास से गुजरेंगे और अपने को उन्हें दिखाएँगे। यदि वे हमसे कहें, हमारे आने तक इंतज़ार करो, तब जहाँ पर हम हैं वहीं रुके रहेंगे और उनके पास ऊपर नहीं चढ़ेंगे।
परन्तु यदि वे हमसे कहें, 'हमारे पास ऊपर चढ़ आओ, हम चढ़ जायेंगे, क्योंकि वह हमारे लिए एक चिन्ह होगा कि यहोवा ने उन्हें हमारे हाथों में दे दिया है।
आगे बढ़ो - मैं पुरे मन और प्राण के साथ तेरे संग हूँ।
देखो! इब्री लोग उन बिलों में से जहाँ वे छिपे हुए थे, निकल आते हैं।
हमारे पास चढ़ आओ और हम तुमको एक सबक सिखाएँगे।

I शमूएल 14:8-12

I शमूएल 14:12-14

और पूरी सेना में घबराहट हुई - वे जो छावनी में और बाहर थे और जो चौकीवाले थे और जो आक्रमण करने वाले थे - यह परमेश्वर द्वारा भेजी गई एक घबराहट थी।
धरती हलि रही है!
इब्री ईश्वर हमारे वरिुद्ध लड़ रहा होगा!
महाराज, पहरुए कह रहें हैं पलशि्ती सेना घटती जा रही है। वे बड़े कोलाहल में हैं - हमें नहीं पता क्या हो रहा है।
हमने लोगों की गनिती की - और योनातान और उसके हथयिार ढोनेवाले को कहीं न पाया।
युद्ध की ओर!
और सपिाहयिों को आज्ञा दे क कोिई कुछ भी न खाए जब तक मैं अपने शत्रुओं से पलटा न ले लूँ।
परन्तु परमेश्वर पहले ही से उनके आगे जा चुका था।
पलशि्ती पुरे भ्रम में हैं - वे आपस में लड़ रहे हैं और एक दूसरे को मार रहे हैं!
मुझे सन्देह है क योिनातान कसिी न कसिी तरह इसका एक भाग था.....

I शमूएल 14:24-45

कुछ समय बाद शमूएल ने शाऊल को परमेश्वर से पाए स्पष्ट निर्देश को दिया - अमालेकियों को मार क्योंकि उन्होंने कैसे इस्राएल के लोगों का सामना किया जब वे मिस्र से बाहर आ रहे थे।
शाऊल ने अमालेकियों पर आक्रमण करके उन्हें पराजित किया परंतु जो बोला गया था उसका उल्लंघन करते हुए उसने उनके राजा और सबसे अच्छे पशुओं को जीवित छोड़ दिया।
शमूएल शाऊल राजा पर भड़का और उससे कहा कि जैसे उसने परमेश्वर के वचन को त्याग दिया वैसे ही परमेश्वर ने भी उसे इस्राएल का राजा होने के लिए त्याग दिया है।
शमूएल वापस अपने घर चला गया और राजा शाऊल को दुबारा न देखा यद्यपि वह उसके लिए शोक करता रहा।
" तू कब तक शाऊल के लिए शोक करता रहेगा, जबकि मैंने उसे इस्राएल के राजा के रूप में तुच्छ जाना है?"
"अपने सींग को भर और अपने मार्ग पर चल"।
"मैं तुझे बैतलहम के यिशै के पास भेजता हूँ। उसके पुत्रों में से एक को मैंने राजा होने के लिए चुना है।"
" जिसे मैं बताऊँ तू उसे मेरे लिए अभिषेक करना।"

। शमूएल 15:1 - 16:1

बैतलहम नगर में, शमूएल ने यिशै से कहा कि वह अपने सभी लड़कों को उसके सामने लाए।
निश्चय प्रभु का अभिषिक्त यहाँ प्रभु के सामने खड़ा है।
" उसके रूप पर दृष्टि न कर और न उसकी कद की ऊँचाई पर क्योंकि मैंने उसे तुच्छ जाना है।"
"यहोवा का देखना मनुष्य का सा नहीं है।"
" मनुष्य तो बाहर का रूप देखता है परंतु यहोवा की दृष्टि मन पर रहती है।"
क्या तेरे सारे पुत्र यही हैं?
सबसे छोटा तो रह गया -
पर वह तो भेड़ों को चरा रहा है।
उसे बुलवा भेज; जब तक वह न आ जाए हम खाने को नहीं बैठेंगे।
देखो अब वह आता है।
" उठ और उसका अभिषेक कर; यही है।"
अतः शमूएल ने तेल से भरा सींग लिया और उसके भाइयों के सामने उसका अभिषेक किया, और उस दिन से यहोवा का आत्मा बड़े बल के साथ दाऊद पर उतरता रहा।

I शमूएल 16:5 – 13

I शमूएल 16:14-23

पलश्तियों के सोको नामक इस्राएल के नगर में इकट्ठा होने के तुरंत बाद, इस्राएली एला नामक तराई में इकट्ठे हुए और वहाँ डेरा डाला।
पलश्ती ने एक पहाड़ पर कब्जा किया और इस्राएली ने दूसरा।
परन्तु इस्राएल के शत्रु एक गुप्त हथियार लाए थे।
गतवासी गोलियत नौ फूट ऊँचा था।
जो कवच उसने पहना हुआ था वह 125 पाउंड था।
उसके भाले की छड़ जुलाहे की डोंगी के समान थी और उस भाले के फल ही का वजन 15 पाउंड था।
वह बिल्कुल अजेय लग रहा था।

प्रतदिनि वह बाहर आता और इस्राएली सेना को ललकारने और चुनौती देने लगता।
तुम यहाँ आकर क्यों युद्ध के लिए पाँति बाँधे हो?
क्या मै पलश्ति नहीं हूँ और तुम शाऊल के दास नहीं हो?
एक पुरुष को चुनो कि वह मेरे पास उतर आए।
यदि वह मुझसे लड़कर मुझे मार सके, तब हम तुम्हारे अधीन हो जाएँगे; परन्तु यदि मैं उस पर प्रबल होकर उसे मारूँ, तो तुम हमारे अधीन होकर हमारी सेवा करोगे।

I शमूएल 17:8-10

I शमूएल 17:17-30

I शमूएल 17:31-35

I शमूएल 17:36-40

I शमूएल 17:42-45

I शमूएल 17:46-48

1 शमूएल 17:48

I शमूएल 17:49

I शमूएल 17:50-51

I शमूएल 17:52-53

I शमूएल 17:57-58

क्या तुमने सुना है? एक लड़के ने दानव गोलयित को मार डाला।
यह सच है - वह अभी भी एक लड़का है।
वह कौन है?
दाऊद, बैतलहम का दाऊद।
दाऊद की कहानी और उसकी उस दानव पर पाई अविश्‍वसनीय जीत जंगल की आग के समान आस पास के देश और इस्राएल के नगरों में फ़ैल गई।

दाऊद का यश और प्रसिद्धि फैल गई।
वह बहुत ही सुन्दर है!
वह दानव को मारनेवाला है!
यहोवा से आशीष और सुरक्षा पाया हुआ मनुष्य। परमेश्‍वर उसके साथ है।
और बलशाली - और बहादुर!

इस राजमहल में तुम्हारा अपना कक्ष है।
राजा शाऊल दाऊद को अपने राजमहल में लाया और उसे वापस उसके घर उसके परिवार के पास जाने नहीं दिया।

I शमूएल 18:2

"THE BIBLE EXPLAINED IN EVERY LANGUAGE."

SUPERBIBLE.TV